गौ माता में सारे देवी, देवता रहते हैं इनकी सेवा व्यर्थ न जाती

तर्ज : लाल दुपट्टा उड़ गया रे बेरी

गौ माता में..
गौ माता में सारे देवी, देवता रहते हैं
इनकी सेवा व्यर्थ न जाती, हरकोई कहते हैं
गायों की जो सेवा करते हैं
हमेशा आगे बढ़ते हैं

गायों की रक्षा के लिये, विष्णुजी गोपाल बने
गायों के लिये देवता भी, गोपी (और) ग्वालबाल बने

पूजे सारा संसार.. जय गौ मां
ऋषिमुनि परिवार.. जय गौ मां
गायों की सेवा करने से, पाप उतरते हैं
इनकी सेवा व्यर्थ न जाती, हरकोई कहते हैं
गायों की जो सेवा करते हैं
हमेशा आगे बढ़ते हैं

धन्य है वो गौ भक़्त जो, गौशाला बनवाते हैं
धन्य है वो भी जो गायों का, सेवा खर्च उठाते हैं

देवो ऐसा वरदान.. जय गौ मां
मैं भी करूं कुछ दान.. जय गौ मां
गौ सेवा करने वालों के, संकट टलते हैं
इनकी सेवा व्यर्थ न जाती, हरकोई कहते हैं
गायों की जो सेवा करते हैं
हमेशा आगे बढ़ते हैं

आओ ये संकल्प करें कि, गौशाला बढायेंगे
गायों की रक्षा केलिए सब, एक जुट हो जायेंगे

ये है धरम का रूप.. जय गौ मां
ये है पूण्य स्वरूप.. जय गौ मां
अम्बरीष कहता गौ सेवा से, भाग्य संवरते हैं
इनकी सेवा व्यर्थ न जाती, हरकोई कहते हैं
गायों की जो सेवा करते हैं
हमेशा आगे बढ़ते हैं

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36198/title/Gau-mata-mein-saare-devi---devta-rehte-hain

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |